ओ सांवरे पलना झुलवाऊंगा

अब के सावन श्याम प्रभु झूला बंधवाऊंगा,
ओ सांवरे पलना झुलवाऊंगा....

रेशम की डोर से बंधा है श्याम पलना,
चंदन के पलना मैं झूले श्याम ललना,
मखमल की चादर और तकिया बनवाऊंगा,
अरे ओ सावरे पलना झुलवाऊँगा.....

हाथो से अपने श्याम तुमको सजाऊंगा,
केशरिया बागा सर पर मुकुट सजाऊंगा,
केशर चंदन का बाबा में इत्र लगाडूंगा,
अरे ओ सावरे पलना झुलवाऊँगा.....

सुंदर से नैनो में काजल तुम्हे लगादूँगा,
नजर न लागे काला टीका तुम्हे लगादूँगा,
राई और लून से सवारा नित नजर उतारूंगा,
अरे ओ सावरे पलना झुलवाऊँगा.....

मोरवी का लालन तू तो बड़ा ही कमाल है,
भगतो का रखवाला बाबा प्रतिपाल है,
अंकित गुरु ये बोले तेरा गुण गाऊंगा,
अरे ओ सावरे पलना झुलवाऊँगा.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29171/title/oh-sanwre-palna-jhulvaaunga

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |